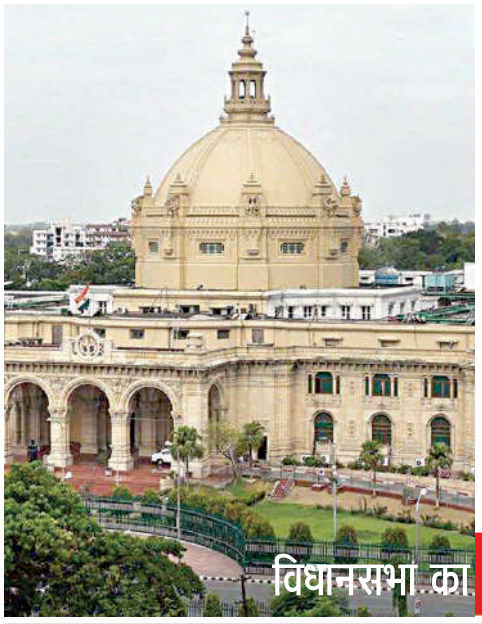

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 65 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 8 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

वो सबसे धनवान है जो कम से कम में संतुष्ट है, क्योंकि संतुष्टि प्रकृति की दौलत है।
-सुकरात

विधानसभा का बजट सत्र मई के... 2 | सपा की लाल, बसपा की नीली... 3 | पुलिया से टकराई मिनी बस... 7

देश में लोकतंत्र की ऐसे हो रही है हत्या

एमपी में पत्रकारों को नंगा करके हवालात में रखने और बलिया में बेकसूर पत्रकारों को जेल भेजने के बाद अब लिखने को कुछ नहीं बचा।

नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश

» अधूरी भर्तियों को पूरा कराने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे समाजवादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उनकी समस्याओं के समाधान में सरकार कोई रुचि नहीं ले रही है। प्रदेश के 34 लाख से अधिक युवाओं को अधूरी भर्तियां पूरी होने का इंतजार है। समाजवादी पार्टी नौजवानों की समस्याओं के समाधान के लिए सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाएगी। अधूरी भर्तियों को पूरा कराने के लिए समाजवादी लोग सदन से सड़क तक संघर्ष करेंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यालय में सरकारी भर्तियों से वंचित अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों को धोखा देने का काम किया है।

प्रदेश में न कहीं निवेश हुआ और न उद्योग लगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठ और फरेब के सहारे अपनी राजनीति कर रही है। भाजपा गरीबों की रोटी छीनकर पूंजीपतियों की तिजोरी भरने का

काम कर रही है। अभ्यर्थियों के साथ भाजपा सरकार का संवेदनशून्य व्यवहार अनुचित और अमानवीय है। नौजवानों के सब्र का इम्तिहान नहीं लिया जाना चाहिए। सपा मुखिया ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के स्तर पर 10 भर्तियां लंबित हैं। 34 लाख से अधिक अभ्यर्थियों का भाग्य इनसे जुड़ा है। नौजवानों ने बताया कि 32 हजार अनुदेशकों को भी रोजी-रोटी से वंचित रखा गया है। वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक भर्ती तथा मंडी परिषद की परीक्षाओं का भी कोई पुरसाहाल नहीं है। अखिलेश ने कहा कि नौजवानों की समस्याओं को दूर कराने के लिए सपा हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

सपा के एमएलसी प्रत्याशियों का पुलिस कर रही उत्पीड़न

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पुलिस पर पार्टी के एमएलसी प्रत्याशियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि देवरिया-कुशीनगर के पार्टी प्रत्याशी डॉ. कफील खान एवं मतदाताओं को पुलिस परेशान कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदान व मतगणना निष्पक्ष कराने के लिए स्थानीय पुलिस पर कार्रवाई की मांग की है। प्रतापगढ़ जिले में हो रहे एमएलसी चुनाव को लेकर कहा कि जिलाधिकारी की निगरानी में एडीओ पंचायत व वीडीओ के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को पैसा बांटा जा रहा है। जो पैसा नहीं ले रहे हैं उन्हें धमकी देकर दबाव बनाया जा रहा है, साथ ही भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान न करने पर फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जा रही है।

मंत्री धर्मवीर बोले, जेलों के अंदर होगा बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड्स राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धर्मवीर प्रजापति के मंत्री बनने के बाद पहली बार आगरा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वागत किया। चांदी का मुकुट पहनाया तो कहीं साफा बांधकर स्मृति चिह्न भेंट किए गए। डॉ. धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि वह जेलों में सुधार के साथ ही शहर के विकास के कार्यों में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि 100 दिन के भीतर ही लोगों को बदलाव नजर आएगा।

फिरोजाबाद से राज्यमंत्री डॉ. प्रजापति का नुनिहाई पर प्रभूदयाल प्रजापति ने साथियों के साथ चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद रामबाग, भगवान टाकीज पर भी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण और पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। आगरा कॉलेज पर प्रजापति महासभा की ओर से चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही एमजी रोड पर भी तीन स्थानों पर उनका कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। राज्यमंत्री एमजी रोड होकर जयपुर हाउस स्थित भाजपा के ब्रज क्षेत्र कार्यालय पहुंचे। यहां महानगर अध्यक्ष भानु महाजन के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

बच्चियों पर नियंत्रण के लिए हिजाब का प्रयोग जरूरी : बर्क

» सपा सांसद शफीकुर्रहमान का फिर विवादित बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। लगातार अपने बयान के जरिए सुर्खियों में रहने वाले संभल से समाजवादी पार्टी से लोकसभा सदस्य डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने अब हिजाब के साथ ही रामायण व अजान को लेकर विवादित बयान दिया है। कुशीनगर में भाजपा के जीत पर मिठाई बांटने वाले युवक की हत्या पर भी टिप्पणी की है।

दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने हिजाब को लेकर कहा कि लड़कियों के लिए यह जरूरी है। जब बेटियां बड़ी होती हैं तो उन्हें नियंत्रित करने के लिए हिजाब जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति पर यूरोपियन संस्कृति भारी पड़ती जा रही

है। जबकि इस्लाम में इतना खुलापन गलत है। सपा सांसद ने अजान को लेकर उपजे नए विवाद में भी अपनी बात रखी और इसकी तुलना रामायण से की। बोले कि अजान को कुछ मिनटों में खत्म हो जाता है। ऐसे में उसका विरोध क्यों जबकि रामायण तो 24 घंटे चलता है। अजान को लेकर विवाद खड़ा करना देश में नफरत फैलाने की साजिश है। इसके पहले भी सपा सांसद डा. शफीकुर्रहमान बर्क ने लड़कियों की शादी की उम्र लड़कों के बराबर यानी 21 साल करने पर भी विवादित बयान दिया था। कुशीनगर में बाबर की हत्या को भी शफीकुर्रहमान ने सही ठहराया था।

विधानसभा का बजट सत्र मई के तीसरे हफ्ते में प्रस्तावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में अब विधायक जब खड़े होकर सवाल पूछेंगे तो उनके सामने कागज नहीं टैबलेट होगा। उसी में दर्ज पूरा ब्यौरा जरूरत के हिसाब से वे सदन में अध्यक्ष व सदस्यों के सामने रखेंगे। यह सारा नया नजारा अब नई विधानसभा के पहले सत्र से ही दिखेगा। विधानसभा का पहला सत्र (बजट सत्र) मई के तीसरे हफ्ते से प्रस्तावित है। इस सत्र की तैयारियों में राज्य सरकार अभी से जुट गई है, ताकि विपक्ष को तगड़ा जवाब दिया जा सके। विधानसभा सचिवालय ने डिजिटलीकरण का यह अभियान नेशनल ई-विधान प्रोजेक्ट के तहत शुरू करवाया है। हर विधायक की सीट पर टैबलेट लगाए जाएंगे। यह टैबलेट स्थाई रूप से फिक्स होंगे। सदस्य के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक के आधार पर इन टैबलेट में सारा कंटेंट उपलब्ध होगा। इसमें सदन का एजेंडा पहले से ही लोड हो जाएगा। सदन के पटल पर रखी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सूचनाएं, प्रश्नकाल में होने वाले सवाल व उनके लिखित जवाब भी इसमें पहले से लोड होंगे। खास बात यह कि कोई सदस्य अगर अपनी सीट छोड़ कर दूसरी जगह बैठेगा तो वह वहां लगा टैबलेट का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

111 विधायकों ने आधे से अधिक वोट हासिल किए

» एडीआर ने जारी किया यूपी चुनाव का विश्लेषण, उम्मीदवारों पर किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में इस बार 111 विधायक ऐसे रहे, जिन्होंने अपनी विधानसभा में आधे से अधिक वोट हासिल किए। एक दिन पहले उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 403 निर्वाचन क्षेत्रों के वोट शेयर की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक 366 करोड़ पति उम्मीदवारों में से 103 विधायकों ने 50 प्रतिशत या इससे अधिक वोट शेयर के साथ जीत हासिल की है।

49 करोड़पति उम्मीदवार ऐसे थे, जिन्होंने ऐसे उम्मीदवारों को मात दी, जिनकी संपत्ति एक करोड़ से कम थी। 47 महिला विधायकों में से 5 महिला विधायकों ने 20 प्रतिशत से अधिक अंतर से जीत हासिल की है। पुन: निर्वाचित विधायकों की बात करें तो 209 विधायक ऐसे रहे, जिन्होंने कम से कम 35 प्रतिशत वोट शेयर अपनी विधानसभा में हासिल किया। 92 विधायक ऐसे हैं जिनकी जीत 10 प्रतिशत से कम अंतर से हुई है। जबकि 17 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने 30 प्रतिशत से अधिक अंतर से जीत हासिल की है।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

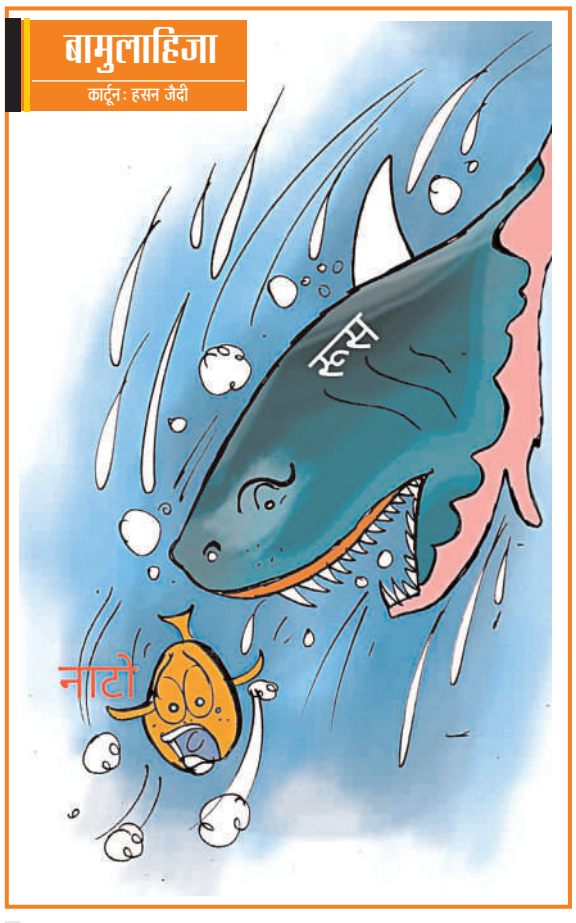

मेडिकल कॉलेजों में सीटों में हुई वृद्धि : बृजेश पाठक

» संभल और महराजगंज में पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज के लिए हुआ एमओयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास में संभल और महराजगंज में पीपीपी मोड पर खुलने वाले मेडिकल कॉलेजों के लिए एमओयू हुआ। इस दौरान श्री सिद्धि विनायक ट्रस्ट बरेली ने संभल और शांति फाउंडेशन ट्रस्ट ने महराजगंज के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों को बधाई देते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनता की सेवा के लिए आगे आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 59 जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो चुकी है। 16 असेवित जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया चल रही है।

उत्तर प्रदेश अब देश में सर्वाधिक मेडिकल कॉलेज वाला राज्य बन रहा है। संभल और महराजगंज में 330-330 बेड के मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। दोनों जिलों में 2024 तक मेडिकल कॉलेजों की स्थापना करने का लक्ष्य तय किया है। इन्हें नेशनल मेडिकल कमिशन की शर्तों के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर

दिल्ली पहुंचे डिप्टी सीएम, पीएम मोदी से मिले

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने उप मुख्यमंत्री बनाने के लिए सीएम मोदी का आभार प्रकट किया। पाठक ने ट्वीट कर बताया कि पीएम मोदी से मुलाकात कर मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी दिल्ली में पीएम मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। बता दें कि इससे पहले केशव मौर्य ने भी पीएम से मुलाकात की थी।

और हेल्थ एजुकेशन को और मजबूत करने के लिए 14 असेवित जिलों में भी जल्द ही मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए एमओयू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी मेडिकल कॉलेज की स्थापना पीपीपी मोड पर की जा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग इस कार्य को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाए। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के कार्यों से देश और दुनिया आशान्वित है। प्रदेश सरकार लगातार मेडिकल कॉलेजों की स्थापना कर रही है। इससे जहां मेडिकल की सीटें बढ़ रही हैं वहीं चिकित्सा क्षेत्र की गुणवत्ता बढ़ रही है। इससे कुशल डॉक्टर, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता बढ़ेगी। पाठक ने कहा मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की भी कमी नहीं होने दी जाएगी। मरीजों की सेवा के लिए सरकार सदैव तत्पर है। डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में अगर मूलभूत सुविधाएं नहीं है तो वे हमें सूचित करें। सरकार ही नहीं, हमारा भी पूरा प्रयास रहेगा कि जल्द से जल्द हर समस्या का समाधान हो जाए। ताकि जनता को हर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

यूपी में फिर टोपी पर सियासत गरमाने के आसार

सपा की लाल, बसपा की नीली, सुभासपा की पीली टोपी के बाद अब भाजपा की केसरिया टोपी

» भगवा टोपी से भारतीय जनता पार्टी ने दिए भावी राजनीति के संकेत

» 42वें स्थापना दिवस पर पार्टी की टोपी लांच

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। प्रदेश की सियासत में अभी तक समाजवादी पार्टी की लाल टोपी, बहुजन समाज पार्टी की नीली टोपी, सुभासपा की पीली टोपी, आम आदमी पार्टी की सफेद टोपी, निषाद पार्टी की बहुरंगी टोपी प्रचलित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के नेता सदन से सड़क तक टोपियों को लेकर विपक्षी दलों को समय-समय पर निशाने पर भी लेते रहे है। अभी कुछ दिन पहले चुनावी सियासत में भी टोपियों को लेकर हंगामा मचा था लेकिन अब भाजपा में भी टोपी की एंट्री हो गई है। भगवा रंग की टोपी पर बीजेपी लिखा है और कमल का फूल बना है। संभवत: यह पहला मौका है जब बीजेपी नेता इस तरह टोपी लगाए दिखेंगे।

भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी की भगवा टोपी लॉन्च हुई है। 42वें स्थापना दिवस पर पार्टी के कार्यकर्ताओं से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सहित तमाम मंत्री और नेता भगवा टोपी पहने नजर आए। विधान सभा चुनाव के बाद बीजेपी नेताओं के सिर पर दिखी यह भगवा टोपियां यूं ही नहीं हैं। इन टोपियों के सहारे बीजेपी भविष्य के समीकरण साधते दिख रही है। कहा जा रहा है कि भगवा टोपियां पहने पार्टी के कार्यकर्ता माहौल बनाए रखने का प्रयास करेंगे। केंद्रीय कार्यालय से टोपियों का सैंपल मंगाने के बाद प्रदेश मुख्यालय ने लाखों टोपियां बनवाने का ऑर्डर दे दिया है।

भाजपा एजेंडे को धार देगी टोपी

सियासत में संकेतों और समीकरणों का खास महत्व होता है। भाजपा के नेताओं के सिरों पर भगवा टोपियां न सिर्फ भाजपा नेताओं के भगवा एजेंडे को धार देंगी बल्कि विपक्ष को भी भाजपा की पिच पर खेलने का आमंत्रण देंगी। विपक्ष टोपियों को लेकर यदि कुछ हमला बोलेगा तो यह टोपी विपक्ष पर हमले का बीजेपी का हथियार बनेगी भाजपा ने टोपी और उसके रंग को राष्ट्रवाद के रंग से रंगकर विपक्ष को घेरेगी।

विधानसभा में लाल और भगवा रंग को लेकर छिड़ेगा युद्ध!

एक बार फिर से टोपी की राजनीति यूपी में गरमाने के आसार हैं क्योंकि आने वाले समय में यूपी विधान सभा के सत्र में भाजपा के विधायक टोपी पहने सदन में नजर आ सकते हैं। विपक्ष अगर हमला करेगा तो भाजपा इसे हथियार बनाने का पूरा प्रयास करेगी। प्रदेश की राजनीति में सपा लाल, बसपा नीली, कांग्रेस की खादी सफेद, सुभासपा पीली, आप सफेद, अपना दल दो रंगी और निषाद पार्टी भी कई रंगों की टोपी में नजर आती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि टोपी किसी राजनीतिक दल के लिए एक संदेश देने का अच्छा माध्यम है। इसका सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी खूब इस्तेमाल होता है। टोपी के अलावा पगड़ी, साफा पहचान से जुड़ा हुआ है। सपा के लोगों ने लाल टोपी पहनकर एक मुखर पहचान बनाई है इसीलिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इसे लेकर टिप्पणी करनी पड़ी। लाल टोपी राजनीतिक संदेश देने में सफल रही। भाजपा ने देखा कि इसका संदेश दूर तक जाएगा इसलिए उन्होंने भगवा टोपी पहन ली है। टोपी पहचान का जरिया बनेगी और इसका चलन भी बढ़ेगा।

यूपी चुनाव में हावी रहा टोपी का मुद्दा

हाल ही में हुए यूपी चुनाव में टोपी की सियासत को लेकर प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री तक सबने निशाना साधा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल टोपी को रेड सिग्नल करार दिया था। गोरखपुर में कहा था कि पूरा यूपी जानता है कि लाल टोपी वालों को लाल बत्ती से ही मतलब रहा है, आपकी दुख-तकलीफों से नहीं। लाल टोपी वालों को सत्ता चाहिए, घोटालों के लिए, अपनी तिजोरी भरने के लिए, अवैध कब्जों के लिए, माफियाओं को खुली छूट देने के लिए। याद रखिए लाल टोपी वाले यूपी के लिए रेड अलर्ट हैं यानि खतरे की घंटी। इसके जवाब में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी पलटवार किया था। उन्होंने कहा था कि लाल टोपी ही इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर करेगी। कहा कि भाजपा के लिए रेड एलर्ट है महंगाई का, बेरोजगारी-बेकारी का; किसान-मजदूर की बदहाली का; हाथरस, लखीमपुर, महिला व युवा उत्पीड़न का; बर्बाद शिक्षा व्यापार व स्वास्थ्य का। लाल का इंकलाब होगा, बाइस में बदलाव होगा। हालांकि उनका यह नारा चल नहीं पाया, भाजपा फिर सत्ता में आ गयी।

अब प्रदेश के शहरों की सूरत संवारने की कवायद, सरकार ने बनाया एक्शन प्लान

» चाक-चौबंद की जाएगी सफाई व्यवस्था, होगी निगरानी, सभी घरों से उठेगा कूड़ा

» 100 दिनों में स्मार्ट सिटी के तहत 159 परियोजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने अब प्रदेश के बड़े शहरों की सूरत संवारने की कवायद तेज कर दी है। इसके तहत शहरों की साफ-सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। इन शहरों के शत-प्रतिशत घरों से कूड़ा उठेगा। सफाई व्यवस्था की रियल टाइम निगरानी करते हुए व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जाएगा। साथ ही सरकार गवर्नमेंट टू सिटीजन (जीटूसी) सर्विसेज का दायरा भी बढ़ाएगी। वहीं सौ दिनों में स्मार्ट सिटी के तहत चल रही 159 परियोजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

शहरवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए सरकार ने सौ दिन का एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत नगर विकास विभाग ने 100 दिनों की कार्ययोजना तैयार की है। इसमें स्मार्ट सिटी के तहत शुरू की गयी परियोजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा, मेरठ, फिरोजाबाद व शाहजहांपुर में शहरी नागरिकों को स्मार्ट तरीके से सुरक्षित, व्यवस्थित जनसुविधाएं मिलेंगी। सफाई, जलापूर्ति, सीवरेज, पार्कों के सौंदर्यीकरण, मार्ग प्रकाश, स्मार्ट सड़क, स्टेडियम, विरासत संरक्षण, स्मार्ट क्लासेज आदि से नागरिकों का जीवन स्तर और सुधरेगा। इसके अलावा लखनऊ, अलीगढ़, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, कानपुर, झांसी व वाराणसी में कुल 99 परियोजनाओं का कार्य भी शुरू किया जाएगा। अमृत कार्यक्रम के तहत सीवरेज की 13 व पेयजल की 25 परियोजनाएं भी 100 दिनों के अंदर पूरी होकर जनता को समर्पित की जाएगी।

358 इलेक्ट्रिक बसें की व्यवस्था

प्रदेश सरकार 14 शहरों जैसे लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, गाजियाबाद, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर, झांसी, मुरादाबाद, गोरखपुर, अलीगढ़ व बरेली के लिए 358 इलेक्ट्रिक बसें और खरीदने जा रही है। प्रदूषण रहित व आरामदायक इन एसी बसों के जरिए सार्वजनिक परिवहन और मजबूत होगा। सरकार शहरों में संचालित 1500 बसों की आनलाइन रियल टाइम निगरानी भी करेगी। इसके लिए एमआईएस पोर्टल एवं चलो एप भी लांच किया जाएगा।

60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा

योगी सरकार 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त यात्रा की सुविधा भी प्रदान करने जा रही है। इसे भी 100 दिनों की कार्ययोजना में शामिल किया गया है। सरकार नगरीय परिवहन यात्री दुर्घटना क्षतिपूर्ति निधि नियमावली भी बनाने जा रही है। इससे दुर्घटना में घायलों की तत्काल आर्थिक मदद की जा सकेगी।

प्लान में यह भी शामिल

- 17 स्मार्ट सिटी 99 स्थानीय निकायों को गोद लेकर बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना।
- पीएम आवास शहरी में 1.05 लाख नए आवास बनेंगे जबकि 98,817 आवास पूर्ण किए जाएंगे।
- झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को आवास उपलब्ध कराने के लिए इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना होगी शुरू।
- 20 कान्हा गोशालाओं का निर्माण कार्य होगा पूरा।
- 78 अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कार्य होगा पूरा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

निशाने पर घाटी का अमन-चैन

"आतंकी घाटी में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास से भी बौखलाए हुए हैं और दहशत फैलाने के लिए आम आदमी को निशाना बना रहे हैं। अभी तक वे कश्मीर के बाहर के लोगों को ही निशान बनाते थे। इन आतंकियों को पाकिस्तान से शह मिल रही है। वह यहां आतंकी गतिविधियों के जरिए न केवल दहशत फैलाना चाहता है बल्कि संभावित चुनावी प्रक्रिया को भी बाधित करना चाहता है।

एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का अमन-चैन आतंकियों के निशाने पर है। भारतीय सेना के ऑपरेशन ऑल आउट से बौखलाए आतंकी अब आम जनता को निशाना बना रहे हैं। पिछले दिनों आतंकियों ने एक कश्मीरी पंडित और दूसरे प्रांत के चार मजदूरों को गोली मार दी। कश्मीरी पंडित को तब निशाना बनाया गया जब विस्थापित कश्मीरी पंडितों को घाटी में दोबारा बसाने की मुहिम चलायी जा रही है। सरकार के मुताबिक अब तक दो हजार से अधिक कश्मीरी पंडितों को घाटी में बसाया और उनके रोजी-रोटी का प्रबंध किया जा चुका है। सवाल यह है कि आतंकवादी आम आदमी को निशाना क्यों बना रहे हैं? क्या सेना की कार्रवाई से आतंकी बौखला गए हैं? क्या पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर घाटी में दहशत फैलाने की कोशिश की जा रही है? सीमापार से आए इन घुसपैठियों को कौन मदद पहुंचा रहा है? क्या अभी भी घाटी में आतंकियों के स्लीपर सेल मौजूद हैं?

धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में धीरे-धीरे जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। यहां न केवल पर्यटकों की भीड़ बढ़ी है बल्कि निवेशक निवेश करने में भी रूचि दिखा रहे हैं। रोजी-रोटी के साधन भी बढ़ रहे हैं। यहां के युवा सेना में भर्ती होने के लिए पसीना बहा रहे हैं। यह पाकिस्तान के हुक्मरानों और उसके पाले आतंकी संगठनों को अच्छा नहीं लगा रहा है। लिहाजा वे कश्मीर घाटी में खूनी खेल खेलने की साजिश रच रहे हैं। सेना की ताबड़तोड़ कार्रवाई से आतंकवादियों का तेजी से सफाया हो रहा है। आतंकी घाटी में कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास से भी बौखलाए हुए हैं और दहशत फैलाने के लिए आम आदमी को निशाना बना रहे हैं। अभी तक वे कश्मीर के बाहर के लोगों को निशाना बनाते थे। इन आतंकियों को पाकिस्तान से शह मिल रही है। वह यहां आतंकी गतिविधियों के जरिए न केवल दहशत फैलाना चाहता है बल्कि संभावित चुनावी प्रक्रिया को भी बाधित करना चाहता है। इसके पीछे उसकी मंशा दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर दिलाना है लेकिन अब यहां हालात तेजी से बदल रहे हैं। यहां के लोग खुद आतंकियों से दो-दो हाथ के लिए तैयार हैं और उन्होंने अपनी सुरक्षा का जिम्मा उठाना शुरू कर दिया है। इसमें दो राय नहीं कि आतंकियों की इस रणनीति से निपटना सेना के लिए बड़ी चुनौती है क्योंकि सभी को हर समय सुरक्षा उपलब्ध नहीं करायी जा सकती है। सेना को रणनीति बदलनी होगी और आतंकियों के खात्मे के लिए इसके जड़ यानी घाटी में फैले स्लीपर सेल को समाप्त करना होगा। वहीं सरकार को भी जनता में तेजी से विश्वास बहाल करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आपदा में अवसर, निर्यात पर फोकस

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच भारत से गेहूं निर्यात की संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में रूस और यूक्रेन से गेहूं आयात करने वाले दुनिया के 30 देशों में भारत से बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात करने का निर्णय लिया गया। हाल ही में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते जहां भारत को अब गेहूं के निर्यात की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए वहीं भारत को दुनिया भर में कृषि-उपज के व्यापक बाजार का पूरी तरह से दोहन करने के लिए आगे आना चाहिए। कोविड-19 के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही दुनियाभर में कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का अवसर भी हासिल किया। उसी तरह एक बार फिर रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते भारत से गेहूं सहित अन्य खाद्यान्नों की मांग कर रहे जरूरतमंद देशों को खाद्यान्नों के अधिक निर्यात बढ़ाने के मौके को हकीकत बनाया जा रहा है।

रूस और यूक्रेन मिलकर वैश्विक गेहूं आपूर्ति के करीब एक चौथाई हिस्से का निर्यात करते हैं, लेकिन युद्ध के चलते इन देशों से गेहूं की वैश्विक आपूर्ति रुक गई है। ऐसे में 24 फरवरी के बाद भारत से गेहूं निर्यात में तेज इजाफा हुआ है। इस समय भारत के करीब 2.5 करोड़ टन से अधिक के विशाल गेहूं भंडार से भारत तेजी से अधिक निर्यात की पूर्ति करते हुए दिखाई दे रहा है। यह छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2021-22 में लक्ष्य के अनुरूप कुल 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात हो चुका है। भारत का गेहूं निर्यात वित्तीय वर्ष 2022-23 में लक्ष्य के अनुरूप एक करोड़ टन के स्तर को छू सकता है। उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं सहित खाद्यान्नों के रिकॉर्ड उत्पादन के कारण 2022-23 में कृषि निर्यात की ऊंची संभावनाएं बढ़ गई हैं। सरकार के मुताबिक किसानों को दी जा रही पीएम सम्मान निधि, किसानों के लिए लागू की गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, कृषि शोध और किसानों के परिश्रम से खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ती ऊंचाई खाद्यान्न निर्यात बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। देश के सभी प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक प्रदेशों में गेहूं सहित खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन दिखाई दे रहा है। ऐसे में खासतौर से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश खाद्यान्न का निर्यात बढ़ाने के नए लक्ष्य रखते हुए

आगे बढ़ रहे हैं। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक, भारत का मकसद केवल मौजूदा रूस-यूक्रेन संकट के मद्देनजर ही गेहूं निर्यात की नई व्यवस्था सुनिश्चित करना नहीं है बल्कि भारत दुनिया के गेहूं के ऐसे बाजारों में दीर्घकालिक और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता देश के रूप में पहचान बनाना चाहता है, जहां अभी रूस और यूक्रेन का एक तरह से वर्चस्व है। दुनिया के अग्रणी गेहूं आयातक देशों में इंडोनेशिया, मिस्र, तुर्की, चीन, इटली, नाइजीरिया, अलजीरिया, जापान, फिलीपींस, ब्राजील, मोरक्को आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ देशों में ही अब तक नियमित रूप से भारत का गेहूं जाता है जबकि इनमें से कई ऐसे देश हैं जो कभी-कभी ही भारत से गेहूं खरीदते रहे हैं। ऐसे में भारत के पास दुनिया के 30 प्रमुख खाद्यान्न आयातक देशों के साथ कई अन्य देशों में भी खाद्यान्न निर्यात का विस्तार करने की प्रबल संभावनाएं हैं। ऐसे में वर्तमान कृषि निर्यात नीति-2018 को और अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर नई कृषि निर्यात नीति 2022 को शीघ्र लागू किया जाना फायदेमंद होगा।

नई कृषि निर्यात नीति के तहत ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया जाए। निर्यात की जाने वाली कृषि जिंसों के उत्पादन व घरेलू दाम में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाएं। कृषि निर्यात की प्रक्रिया के मध्य खराब होने वाले सामान और कृषि पदार्थों की साफ-सफाई के मसले पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। नई खाद्यान्न निर्यात नीति में राज्यों की कृषि निर्यात में ज्यादा भागीदारी हेतु बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स में सुधार और नए कृषि उत्पादों के विकास में शोध एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाए। कृषि निर्यात संबंधी विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण द्वारा विशिष्ट वैश्विक कृषि व्यापार मेलों का आयोजन बढ़ाया जाए। नए मौकों को मुट्ठी में लेते हुए भारत 2022-23 में कृषि निर्यात के 60 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करते दिखेगा। उम्मीद करें कि कृषि निर्यात बढ़ने से देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ेगी। किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

ज्ञान प्राप्ति को जिज्ञासु बनाने का लक्ष्य

अविजीत पाठक

गुजरात सरकार ने विद्यालयों में छठी से 12वीं कक्षा तक पाठ्यक्रम में आध्यात्मिक पढ़ाई शामिल करने निर्णय लिया है और कर्नाटक सरकार भी इसका अनुसरण करने की इच्छा रखती है। भारत जैसे देश, जिसका चरित्र विभिन्न धार्मिक रिवायतों का पालन करने वाला रहा है, अब वहां बढ़ते बहुसंख्यक प्रभुत्व के बीच धर्म-निरपेक्षता बनाए रखने पर सवाल उठ रहे हैं। शिक्षा में इस किस्म के प्रयोगों की अनुक्रिया और प्रतिक्रिया होना अवश्यंभावी है। शुरुआत के लिए कल्पना करें कि आज तक वैज्ञानिक सोच रखने वाले और इनके हिमायती शिक्षा और धर्म के इस घालमेल को किस नजर से देखेंगे।

कहा जाता है, विज्ञान प्रयोगसिद्ध, अवलोकन, सिद्धांत की मीमांसा, तर्कपूर्ण प्रगति और अज्ञान के बंधन से मुक्ति की इबारत है, इसलिए संसार को समझने की बच्चे की दृष्टि को धर्मग्रंथों के पठन-पाठन से प्रभावित करने का स्वाभाविक असर पीछे की ओर लौटने जैसा होगा। इसकी बजाय ध्येय बनाने में वैज्ञानिक मनोवृत्ति, गणितीय तार्किकता, संस्कृति को देखने की क्षमता, समाज और इतिहास के प्रति जिज्ञासा पर ध्यान दिया जाता और विज्ञान इसका प्रतिपादन करता है। यह मिथक और इतिहास या फिर कल्पना और तथ्यों के बीच का फर्क जानने जैसा है। अक्सर धर्मनिरपेक्ष बुद्धिजीवी वर्ग इस किस्म की वैज्ञानिक सोच की ताईद करते हैं और इस अवस्था की पैरवी करते हैं। विद्यालयों के पाठ्यक्रम में आध्यात्मिक ग्रंथ शामिल करने पर वे हमें याद दिलाते हैं कि ऐसा करना उग्र राष्ट्रवाद को उभारना होगा और इससे बहुसंख्यकों की हनक और प्रचंड हो जाएगी। वामपंथी-अंबेडकरवादियों का एक समूह कह सकता है कि इससे अल्पसंख्यकों में मानसिक एवं सांस्कृतिक असुरक्षा की भावना बनेगी।

दूसरा पक्ष इस प्रकार की धर्मनिरपेक्ष वैज्ञानिक सोच के विपरीत सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के समर्थकों का है, जिनका मानना है कि भगवद्गीता नैतिकता और आध्यात्मिकता का सबक देती है और हमारे बच्चों को इस समृद्ध परंपरा से वाफिक करवाया जाना चाहिए। पश्चिमी-अंधानुकरण और वैश्वीकरण का मिश्रण हमारी सांस्कृतिक स्मृति को ध्वस्त करने की प्रक्रिया है इसलिए 'मैक्डॉनल्डवाद' की ओर अग्रसर दुनिया में अपना पुरानी वैभवशाली विरासत और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल की ओर जाने के लिए इनका प्रतिरोध करना जरूरी है। आगे से यह सवाल भी आएगा, 'क्या धर्मनिरपेक्षता का मतलब केवल हिंदू रिवायतों का मखौल उड़ाना है? यदि मदरसे इस्लामिक शिक्षा देने में गर्व महसूस करते हैं तो हिंदू क्यों पीछे रहें?' तथापि, इस सारी स्थिति को 'वाम बनाम दक्षिण पंथ' या 'धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिकता' के सामान्य और पूर्वानुमानित दो-पक्षीय राजनीतिक जुमलों पर आधारित नजरिए से परे हटकर देखने की जरूरत है। इस संदर्भ में, दो तरह की टिप्पणियां हैं। पहली, भगवद् गीता जैसे पाठ्यक्रम का सरलीकरण क्या प्रतिगामी होगा या प्रगतिशील? तथ्य यह है कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में दुविधा में पड़े अर्जुन और श्रीकृष्ण के बीच संवाद ने आधुनिक भारत के नाना प्रकार के विचारकों की परिकल्पना को उद्वेलित किया है। बाल गंगाधर तिलक से लेकर मोहनदास करमचंद गांधी, स्वामी विवेकानंद से लेकर श्री ऑरबिंदो तक या डीपी चट्टोपाध्याय से लेकर बीआर अंबेडकर तक की मीमांसाएं हैं यानी एक ऐसा काव्य, जिसकी विभिन्न महीन व्याख्याएं, शब्दार्थ और संभावनाओं भरी विवेचना हुई हो। जहां इनमें कुछ विचारकों को वर्ण-सिद्धांत की प्रासंगिकता सही लगी हो, वहीं अन्य को इसमें बताए गए परित्याग का सिद्धांत भाया इसलिए युवा प्रशिक्षु जब गूढ़ विषयों को पढ़ने-समझने-मनन लायक बौद्धिक प्रौढ़ता पा लें तब इसके पठन-पाठन को उत्साहित करने में कोई हानि नहीं, ठीक वैसे ही जब एक उम्र में पहुंचकर वे अन्य क्लिष्ट कृतियां जैसे शेक्सपियर, कार्ल मार्क्स या जीन पॉल सारट्रे इत्यादि की पढ़ाई करते हैं। वैसे भी, छठी या दसवीं के छात्र को श्लोक तोते की तरह रटने के लिए कहना सार्थक न होगा और वह दर्शन या अस्तित्व जैसे जटिल विषयों की गुंझलें समझने या इनके उत्तर की खोज किए बिना केवल अध्याय रटता रह जाएगा। इसका उद्देश्य ज्ञान की खोज में यायावर या जिज्ञासु बनाना है। दूसरी टिप्पणी में, हमें सचमुच ऐसे संवेदनशील और कर्मशील शिक्षा शास्त्रियों की जरूरत है जो विद्यार्थियों के मानस में नैतिकता पूर्ण आचार-विचार का बीज बोएं और आध्यात्मिकता परिपूर्ण कक्षा लगाएं। हमें एक अच्छे शिक्षक और संगठित धर्मों के पुरातनपंथी पुरोधा के बीच फर्क की शिनाख्त करना सीखना होगा। उदाहरणार्थ महात्मा गांधी ने भगवद्गीता पढ़कर 'अनासक्ति योग' सीखा था। क्या एक शिक्षक अपने छात्रों को आसपास की दुनिया का अवलोकन, आत्मविवेचना और यह पूछने को बढ़ावा देता है कि अनासक्ति योग का पालन इतना कठिन क्यों है या क्या एक अध्यापक किसी विद्यार्थी को अपने दृष्टिहीन सहपाठी की मदद, बिना तारीफ की चाहना किए या इस सामाजिक भलाई के बदले इनाम की अपेक्षा रखे, किताबें पढ़कर करने को उत्साहित करता है? अनासक्ति योग को परिलक्षित करने का यह ज्यादा अर्थपूर्ण रास्ता है। या शिक्षक छात्रों से बरतने में सचमुच शांत, संयमित और मननशील बना रहे तो शायद उन्हें भगवद्गीता के इस अन्य सबक को मूर्त रूप में समझा पाएगा।

गर्मियों के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए जरूर खाएं ये फल

गर्मियों के मौसम में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का अधिक खतरा होता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आप पर्याप्त पानी पी रहे हैं या नहीं खासकर जब तापमान अधिक हो, गर्मियों के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी की अत्यधिक मात्रा वाले इन फलों का सेवन लाभदायक हो सकता है जानें ऐसे फलों के बारे में जिन्हें आपको इस मौसम में अपने डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। गर्मियों में डिहाइड्रेशनऔर हीट स्ट्रोक से बचने के लिए ये उपाय अपनाएं हाइड्रेटेड रहने के लिए इन उपायों को अपनाएं। हाइड्रेटेड रहने के लिए एक दिन में आठ गिलास पानी पियें। कैफीन या अल्कोहल से बचें क्योंकि ये पेय डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। गर्मियों में ढीले-ढाले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। जितना हो सके दिन में बाहर जाने से बचें। अगर आप बाहर जा रहे हैं तो सनस्क्रीनन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल करें। अपने आप को दस्ताने, धूप के चश्मे या टोपी से ढकें। उच्च शरीर के तापमान, मतली, तेजी से नाड़ी, सिरदर्द, चक्कर आना, या भ्रम जैसे चेतावनी संकेतों से सावधान रहें। भरपूर फल और सब्जियां खाएं, अच्छा रहेगा।

पाइनएप्पल

यह स्वादिष्ट और रसदार फल अपने समृद्ध स्वाद के लिए कई लोगों का पसंदीदा है। अनानास विटामिन सी का एक बड़ा स्रोत है जो कोशिका क्षति से लड़ने और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। अनानास की उच्च मैंगनीज सामग्री हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार करती है। इसमें उच्च फाइबर सामग्री भी होती है और यह एंटीऑक्सिडेंट से भरी हुई होती है।

खुबानी

आहार फाइबर का एक समृद्ध स्रोत, खुबानी आपके पाचन में सुधार कर सकता है और चयापचय को बढ़ा सकता है। यह एंटीऑक्सिडेंट से भरा हुआ है जो आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए एक बेहतरीन फल है।

ऑरेंज

संतरा उन लोगों का पसंदीदा फल है जो वर्कआउट करना पसंद करते हैं, इसका कारण यह है कि यह फल आपके शरीर को हाइड्रेट और ऊर्जा प्रदान करता है जो कि वर्कआउट के दौरान जरूरी है। संतरे के कई स्वास्थ्य लाभ हैं जैसे कोलेस्ट्रॉल कम करना, हृदय की कार्यप्रणाली में सुधार और विटामिन सी का एक समृद्ध स्रोत होने के कारण, वे त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं।

पपीता

यह फल विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। पपीते को अपने आहार में शामिल करने से आपकी धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के निर्माण को रोका जा सकता है, प्रतिरक्षा को बढ़ाया जा सकता है, और मधुमेह वाले लोगों और अपने वजन का प्रबंधन करने वाले लोगों के लिए विटामिन का एक उत्कृष्ट स्रोत हो सकता है।

ब्लूबेरी

स्वादिष्ट ब्लूबेरी का उपयोग कई डेसर्ट जैसे मफिन, टार्ट्स और चीज़केक में किया जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि ब्लूबेरी के कुछ असाधारण स्वास्थ्य लाभ हैं? ब्लूबेरी एक प्राकृतिक रक्त शोधक है और पुराने समय में खांसी और सर्दी के इलाज के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता था। ये ऑक्सिडेंट का एक सुपर-समृद्ध स्रोत हैं और ब्रेन हेल्थ के लिए लाभदायक होते हैं।

सेब

हमसब ने ये वाक्य सुनें हैं "An apple a day keeps a doctor away" यानी हर दिन सिर्फ एक सेब खाने से आप डॉक्टर से दूर रह सकते हैं। यह एक पॉपुलर फल है जो लगभग हर सीजन में आसानी से मिल जाता है। सेब का इस्तेमाल सलाद, स्मूदी, पाइ ड्रेजर्स, स्नैक्स के रूप में आसानी से कर सकते हैं। सेब मेटाबोलिक लेवल को बूस्ट करने, हार्ट हेल्थ और ब्लड शुगर लेबल को ठीक रखने में कारगर हैं। सेब में विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं जो बोन्स, दांत और स्किन के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

खरबूजा

इस लो-कैलोरी फल का उपयोग अपने मीठे स्वाद और स्वास्थ्य लाभ के लिए कई स्वादिष्ट मिठाइयां तैयार करने के लिए किया जाता है। पानी में घुला केंटालूप गर्मियों में एक अद्भुत स्वास्थ्य पेय बनाता है। खरबूजे विटामिन सी और ए का एक बड़ा स्रोत हैं जो प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। खरबूजे की उच्च पोटेशियम सामग्री रक्तचाप को संतुलित करने में सहायता करती है। खरबूजे में बीटा कैरोटीन मोतियाबिंद से लड़ने में मदद करता है और दृष्टि में सुधार करता है।

हंसना मना है

दो प्रेमियों ने सुसाइड की प्लानिंग की। 12345 बोलकर लड़का कूद गया और लड़की ने आंखें बंद करके मुंह फेर लिया। लड़के ने हवा में पैराशूट खोला और जोर से बोला.. मुझे पता था चुड़ैल तू नहीं कूदेगी।

स्कूल के पीछे नदी में प्रिंसिपल डूब रहा था। मोनू ने देखा और जोर जोर से चिल्लाते हुए भागा, कल छुट्टी है रे.. कल छुट्टी है.....

स्टूडेंट- सर अगर राष्ट्रगान और राष्ट्रीय पशु एकसाथ आ जाएं तो क्या करना है। भागना है या सावधान की मुद्रा में खड़े रहना है...तब से मास्टर जी लंबी छुट्टी लेकर सवाल का जवाब ढूंढने गए हैं...।

गोलू-पोलू परीक्षा पर चर्चा कर रहे थे,,,,, अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो, आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है... इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे...।

लड़की- क्या तुम मेरे जीवन का चांद बनोगी? लड़का- हां जानू।.. लड़की- बहुत खूब, तो मुझसे 384,400 किमी दूर रहो समझे।

चंपू- सोचा था, दो पैग मार के 10 बजे तक घर पहुंचा जाऊंगा। गप्पू- हां तो क्या हुआ? चंपू- ये पैग और टाइम कब आपस में बदल गए, पता ही नहीं चला यार।

कहानी | शेर और चूहे की दोस्ती

एक शेर और एक चूहा दोस्त थे। दोनों के घर पास-पास थे। एक दिन शेर को एक शिकार मिला। उसने चूहे को आवाज लगाई आओ दोस्त, मेरे साथ खाना खा लो। तुम्हें जो खाना है खाओ, मुझे इससे ज्यादा जरूरी काम करने हैं। बाहर से आवाज आई। शेर को बड़ा बुरा लगा। अगले ही दिन चूहे को शहद का एक डिब्बा मिला। वह खाने के लिए बैठा तो उसने शेर को आवाज लगाई, दोस्त, आओ मेरे साथ खाना खा लो। बाहर से उत्तर आया, मुझे नहीं खाना है, तुम्हीं खाओ अपना खाना। जा जा जा... साहा आजा खा साहा चछए, शा एछ चूहे को भी बड़ा बुरा लगा। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दो दिन के बाद दोनों जंगल में मिले। दोनों की दोस्ती इतनी पक्की थी कि खाने वाली बात को भुलाकर वे फिर से एक साथ खेलने लगे। बातों-बातों में दोनों को पता चला कि शेर ने जब चूहे को आवाज लगाई थी तो उसने सुना ही नहीं था। न ही चूहे ने कोई रूखा जवाब दिया था। शेर ने भी यही बात चूहे को बताई। चूहे की आवाज न तो उसने सुनी थी, न ही कोई खराब-सा जवाब दिया था। जरूर कुछ गड़बड़ है। दोनों एक साथ बोले। हमको पता लगाना होगा कि कौन हम दोनों की दोस्ती तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेर गुस्से से दहाड़कर बोला। ठीक कहा, कोई तो है, जो हम दोनों को परेशान करना चाहता है। चूहे ने कहा। उनकी बातें छिपकर कोई सुन रहा था। तभी किसी के चुपके से भागने की आवाज आई। दोनों ने देखा कि यह तो लोमड़ी थी, जो भाग रही थी। शेर ने दहाड़कर कहा, रुक जा, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसा कहकर शेर ने लपककर लोमड़ी को पकड़ लिया। शेर ने चूहे से कहा, दोस्त, आज रात के खाने में मैं एक लोमड़ी पकाने वाला हूं, रात का खाना तुम मेरे साथ खाना। चूहा बोला, ज़रूर आऊंगा मैं। ऐसा भोजन तो मैं छोड़ ही नहीं सकता! लोमड़ी घबरा गई... बेचारी माफी मांगने लगी। शेर ने कहा कि सो उठक-बैठक करो ओर एक हजार बार बोलो-मैं अब किसी को तंग नहीं करूंगी। लोमड़ी बेचारी क्या करती। अपनी गलती की सजा तो उसको मिलनी ही थी न। दो घंटे तक वह यही वाक्य दोहराती रही-अब में किसी को तंग नहीं करूँगी। शेर और चूहे की दोस्ती और भी पक्की हो गई। अच्छे दोस्त किसी तीसरे के कहने से अपनी दोस्ती को खत्म नहीं होने देते।

15 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अपने साथी को इंप्रेस करेंगे। आपके आकर्षण और स्मार्टनेस का लोग लोहा मानेंगे। पति पत्नी के जीवन में सुकून आयेगा। लव पार्टनर के साथ अद्भुत पल बितायेंगे।

वृषभ

धन और बच्चों के प्रति चिंतित रहेंगे। अनावश्यक खर्चे होंगे। विवाहित जन अपने रिश्तों में ताजगी लाने के लिये इंट्रेस्टिंग विकल्प सोच सकते हैं। प्यार भरी बात आपसी तकरार को कम करेगी।

मिथुन

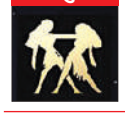

नये प्रेम संबंधों की शुरूआत जीवन में खुशियां लायेगी। किसी भी छोटी बात के कारण लवर के साथ लड़ाई हो सकती है। परिवार में धन, आमदनी को लेकर तनाव आ सकता है।

कर्क

अगर आप अकेले हैं तो आपकी यात्राऐं ज्यादा होंगी। नये लोगों से मिलेंगे। नये रिश्ते बनेंगे। आपको कोई पसन्द आ सकता है। जिसके साथ आपकी दोस्ती लंबी चलेगी।

सिंह

प्रेमी से झगड़ा हो सकता है जरूरत है दृष्टिकोण बदलने की। प्रगति का दिन है। महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे। उन्हें अपनी सोच के कारण खराब न करें। शांति बनाये रखें।

कन्या

मन आज उदास रहेगा। धन का व्यय अधिक होगा। आप में क्षमता है उसका सही उपयोग करें। लव रिलेशन में कार्यवश दूरियां आ सकती हैं। नये लव पार्टनर की तलाश पूरी होगी।

तुला

किसी भी चीज की अधिकता बुरी होती है। आपके मिजाज की रंगीनी आपको परेशानी में डाल सकती है। लव पार्टनर अधिक मांगें कर सकता है। आने वाले समय में खर्चे अधिक हैं।

वृश्चिक

पहली नजर में प्यार हो सकता है। एक्साईटमेंट भरा दिन रहेगा। आज शरमायें नहीं प्रेमी को प्रपोज कर दें नहीं तो पछताते रह जायेंगे। रोमांचक और रोमांस से भरा दिन रहेगा।

धनु

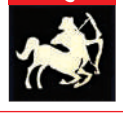

व्यस्तता के कारण अपने लव पार्टनर को समय नहीं दे पायेंगे। विवाहित जातकों के बीच कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती है। आपसी समझदारी मधुरता को बढ़ायेगी।

मकर

विवाह या सगाई में बड़े बुजुर्गों के हस्तक्षेप के कारण रूकावट आ सकती है। लव बर्डस के लिए दिन अच्छा है। रोमांस का मौका मिलेगा जीवन साथी का साथ मिलेगा।

कुम्भ

घर परिवार के कारण पति-पत्नी में झगड़ा हो सकता है। आपका प्रयास रहेगा कि घर में प्रेम बना रहे। जीवनसाथी को अचानक धन लाभ हो सकता है।

मीन

लव रिलेशन में विश्वास और प्रेम बढ़ेगा। जरूरत है लवर पर विश्वास करने की। आपकी अविश्वास की भावना बढ़ते हुए रिश्तों पर रोक लगा सकती है।

ग्रेस मार्क्स से पास हुई अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं

मेरे बेटे , बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे , जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे , वो मेरे बेटे होंगे। दसवीं का ट्रेलर रिलीज होने के बाद अमिताभ बच्चन ने अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की कविता की इन पंक्तियों के साथ अभिषेक बच्चन को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। फिल्म रिलीज के बाद अब अभिषेक बच्चन के फैंस को इंतजार कर रहे हैं कि वह सही मायनों में अपने पिता की इन बातों को सच साबित करते हैं या नहीं। दसवीं सात अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐसे में फिल्म देखने से पहले पढ़ लें ये रिव्यू। दसवीं में अभिषेक बच्चन एक भ्रष्ट सीएम गंगाराम चौधरी के किरदार में है। वहीं यामी गौतम पुलिस ऑफिसर और निम्रत कौर अभिषेक बच्चन की वाइफ का किरदार निभा रही हैं। डायरेक्टर तुषार जलोटा की ये पहली फिल्म साफ और पक्की नीयत से बनाई गई है। हालांकि, इस फिल्म में कमी इसे 10 में से 10 नंबर लाने से रोकती है। सीएम गंगाराम चौधरी (अभिषेक बच्चन) भ्रष्टाचार के आरोप में जेल के अंदर बंद हैं। उनकी भोली-भाली वाइफ बिमला देवी चौधरी (निम्रत कौर) को अचानक से पावर मिल जाती है। चौधरी सलाखों के पीछे आईपीएस

बॉलीवुड | मसाला

ऑफिसर ज्योति देसवाल (यामी गौतम) को चैलेंज करते हैं कि वह दसवीं पास करके दिखाएंगे। वहीं, जेल के बाहर गंगाराम की बीवी बिमला देवी को सत्ता का नशा हो जाता है। अब क्या गंगाराम चौधरी 10वीं की परीक्षा पास कर पाएगा। अगर हां तो किन तरीकों से, इन सभी सवालों का जवाब के लिए आपको दसवीं फिल्म देखनी होगी। जाट सीएम के किरदार में अभिषेक बच्चन को देखना खासकर ओटीटी में काफी मजेदार होगा। वहीं, मर्दों के बीच पुलिस ऑफिस के किरदार में यामी गौतम ने एक बार फिर इंप्रेस किया है। हालांकि, डायलॉग डिलीवरी में पंच की कमी साफ नजर आई। इसके अलावा निम्रत कौर ने दोनों ही किरदार पहला एक आदर्श पत्नी और दूसरी एक तेज तर्रार सीएम के साथ न्याय किया है। इन लीड एक्टर के किरदार के बीच पॉपुलर यूट्यूबर अरुण कुशुवाहा यानी छोटे मियां का किरदार घंटी ने पूरी फिल्म में अपने किरदार को मजबूती के साथ पर्दे पर निभाया है। दसवीं फिल्म अशिक्षा, सत्ता, भ्रष्टाचार, जेल के अंदर की हालत जैसे मुद्दे को उठाती है। लेकिन, इन सभी के बावजूद फिल्म की कहानी कई जगह पर कमजोर नजर आती है। फिल्म क कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है इसकी कमी खुलकर बाहर आने लगती है। फिल्म अप्रासंगिक भी लगने लगती है।

बॉलीवुड | मन की बात

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को लेकर मैंने गलत नहीं बोला : राशि

राशि खन्ना साउथ फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस हैं, जो बॉलीवुड फिल्मों में भी एंट्री कर चुकी हैं। जॉन अब्राहम संग 'मद्रास कैफे' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली राशि ने हाल ही में बॉलीवुड की कई फिल्में साइन की हैं। पिछले दिनों अपने इंटरव्यू में राशि ने दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री के अंतर को लेकर अपने एक्सपीरिएंस शेयर किए। अब सोशल मीडिया पर पोस्ट कर एक्ट्रेस ने दावा किया कि उनकी बातों को गलत तरीके से समझा गया। राशि ने इस तरह की बातों को हवा देने से बंद करने का अनुरोध किया है। राशि खन्ना हाल ही में अजय देवगन के साथ थ्रिलर सीरीज 'रुद्र: द एज ऑफ डार्कनेस' में नजर आईं. इस सक्सेसफुल वेब सीरीज में राशि के परफॉर्मेंस को लेकर काफी सराहना मिली। फैंस के बीच राशि की खूबसूरती का जिक्र भी हो रहा है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में राशि ने साउथ सिनेमा पर खुलकर बात करते हुए बताया था कि कैसे बॉलीवुड से साउथ फिल्म इंडस्ट्री अलग है. साउथ फिल्म इंडस्ट्री पर राशि खन्ना ने दिया था बयान अपनी फिल्म 'रुद्र' के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा था कि ऐसा रोल उन्हें पहली बार करने का मौका मिला। साथ ही राशि ने कहा था कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की कद्र नहीं है। राशि के इस बयान पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा था कि इस तरह की बातों से साउथ फिल्म इंडस्ट्री की प्रेस्टीज खराब कर रही हैं। राशि खन्ना ने ट्विटर पर हुए लिखा ' साउथ फिल्मों को लेकर मेरे बारे में गलत कंटेट सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही है।

रिश्ता टूटने के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश के नाम से मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। पांच सालों के छोटे से करियर में रश्मिका ने कई हिट फिल्में दी हैं। रश्मिका काफी पढ़ी लिखी एक्ट्रेस हैं। रश्मिका की जितनी रील लाइफ रोमांचक है, उतनी ही पर्सनल लाइफ भी दिलचस्प है। दमदार अभिनय से नेशनल क्रश तक का सफर तय करने वाली रश्मिका का सफर इतना आसान नहीं था। एक वक्त था जब उनका प्यार भरा दिल टूटा था। इतना ही नहीं, जिसकी वजह से वो डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं।

रश्मिका मंदाना काफी स्टाइलिश हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कुछ खूबसूरत तस्वीरें अक्सर वायरल होती रहती है हैं। कन्नड़, तेलुगु और तमिल में कई फिल्मों में काम कर चुकी ऐक्ट्रेस अब सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म मिशन मजनू के साथ बॉलीवुड में शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन शांतनु बागची ने किया है। वहीं, रश्मिका की एंट्री रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में भी हो चुकी है। इस फिल्म में उन्हें परिणीति चोपड़ा से रिप्लेश किया गया है। इसके अलावा वो गुड ब्वॉय में भी दिखाई देंगी। 2018 में फिल्म चालो से रश्मिका ने खूब लाइम लाइट बटोरी थी। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दी। रश्मिका ने 2016 में आई किरिक पार्टी के दौरान अपने को-स्टार से सगाई कर ली थी। रक्षित और रश्मिका के प्यार के चर्चे हर जगह थे। लेकिन इनका रिश्ता 2018 में टूट गया।

पुष्पा देख परीक्षा देने पहुंचा छात्र, 10वीं की आंसर शीट में लिखा डायलॉग 'अपुन लिखेगा नहीं'

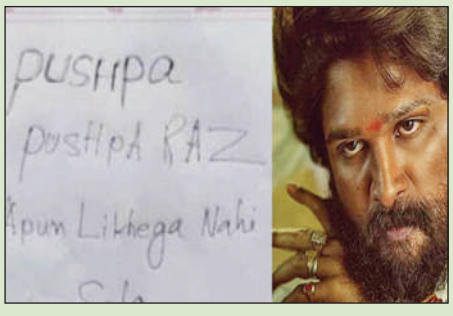

पुष्पा-द राइजको रिलीज हुए काफी वक्त बीत चुका है, लेकिन लोगों के सिर से इसके गानों और डायलॉग्स का नशा उतर ही नहीं रहा है। लोग अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इससे जुड़े हुए वीडियो तो डाल ही रहे हैं, अब छात्रों (Student Wrote Pushpa Dialogue in Copy) पर फिल्म का ऐसा बुखार चढ़ा हुआ है कि वो परीक्षा में भी अपनी क्रिएटिवटी दिखाने से बाज नहीं आ रहे। इस वक्त ट्विटर और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक 10वीं के बच्चे की आंसर शीट का पन्ना वायरल हो रहा है। अब तक परीक्षा में आपने बच्चों को एक्जामिनर के आगे पास कर देने की रिक्वेस्ट करने वाली कविताएं-कहानियां लिखते हुए देखा होगा, लेकिन इस छात्र का एटीट्यूड ही अलग था। पुष्पा के फैन इस छात्र ने अपनी आंसर शीट पर ही साफ कर दिया कि वो झुकेगा ज हमारा मतलब लिखेगा नहीं। वायरल हो रही आंसर शीट में 10वीं के एक छात्र ने पहले ही पेज पर अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। इस आंसर शीट में लड़के ने बड़े ही एटीट्यूड में लिखा है कि पुष्पा, पुष्पराज: अपुन लिखेगा नहीं।' ये आंसर शीट पश्चिम बंगाल के स्टूडेंट की बताई जा रही है और इस वक्त सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। जिसने भी ये शीट देखी है, उसकी हंसी छूट गई। कुछ लोगों का दिमाग ये सोचकर चकरा गया कि इस बच्चे को पास-फेल होने का जरा भी डर नहीं है। अब वायरल हो रही आंसर शीट किसकी है, ये तो सही-सही पता नहीं चला है, लेकिन इस शीट की तस्वीर Manoj Sarkar नाम के यूजर ने अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर की है। लोगों ने भी जब इसे देखा तो मज़े लेने शुरू कर दिए। ज्यादातर लोगों ने जहां हंसने वाले इमोटिकॉन से रिएक्ट किया, वहीं एक यूजर ने लिखा- इस लड़के ने पुष्पा कुछ ज्यादा ही बार देख ली है। एक अन्य यूजर का कहना था कि उस टीचर का क्या हाल होगा, जिसे ये शीट मिली है।

अजब-गजब | भोलेनाथ से जुड़ा है इस पर्वत का रहस्य

इस पर्वत से निकलती है ऊं की आवाज

यह पृथ्वी कई तरह के रहस्यों से भरी हुई है। इनमें से कुछ रहस्य तो ऐसे हैं, जिनके बारे में वैज्ञानिक भी आज तक पता नहीं लगा पाए। ऐसा ही एक रहस्मयी पर्वत भारत में मौजूद है। बता दें कि हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार ब्रह्मांड का सृजन और उसके विनाश का जिम्मा संभालने वाले भगवान शिव कैलाश पर्वत पर अपने परिवार के साथ निवास करते हैं। माना जाता हैं कि विश्व में तीन कैलाश पर्वत हैं। पहला कैलाश मानसरोवर जो की तिब्बत में है, दूसरा आदि कैलाश जो उत्तरांचल में है और तीसरा है किन्नौर कैलाश जो की हिमाचल प्रदेश में है। लेकिन कैलाश पर जाने से पहले एक और पर्वत आता है, जिसे ओम पर्वत (ऊं पर्वत) के नाम से जाना जाता है। इस पर भी भगवान शिव का अस्तित्व माना जाता है। यह पर्वत भारत-तिब्बत की सीमा पर मौजूद है। इस पूरे पर्वत पर प्राकृतिक तौर पर ऊं की आकृति बनी हुई है। बता दें कि समुद्र तल से ओम पर्वत की ऊंचाई 6,191 मीटर (20,312 फीट) है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, हिमालय में कुल 8 जगह ओम की आकृति बनी हुई है, लेकिन अभी तक सिर्फ इसी जगह पर ऊं की खोज हुई है। इस ओम पर्वत से कई पौराणिक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं। इस पर्वत पर प्राकृतिक तौर रूप से ऊं बना होने को लोग ईश्वर का चमत्कार मानते हैं। हिमालय में ओम पर्वत का

एक विशेष स्थान है। माना जाता है कि इस जगह भी भगवान शिव का अस्तित्व रहा होगा।

आती है ऐसी आवाजें

इस ओम पर्वत को आदि कैलाश या छोटा कैलाश भी कहा जाता है। इस पर्वत पर बर्फ गिरने से प्राकृतिक रूप से ओम की ध्वनि उत्पन्न होती है। यहां यात्रियों को प्राकृतिक रूप से ऊं की ध्वनि सुनाई देती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा पर्वत पर गिरने वाली बर्फ के कारण हो सकता है।

माना जाता है देवी-देवताओं का वास

जब इस पर्वत की चोटी पर सूर्य की पहली किरण पड़ती है, तो ऊं शब्द की स्वर्णिम आभा चमकने लगती है। हालांकि, यह पर्वत सदियों से यहां पर स्थित है, लेकिन यह पर्वत जनमानस के संज्ञान 1981 में आया। बता दें कि हिमालय पर्वत श्रृंखला में अभी भी कई चोटियां ऐसी हैं, जहां देवी-देवताओं का वास माना जाता है।

पुलिया से टकराई मिनी बस एक यात्री की मौत, 18 घायल

» नेपाल से जयपुर जा रही थी मिनी बस, आठ को गंभीर हालत में कराया गया भर्ती

» आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर ड्राइवर को झपकी लगने से हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के एक मिनी बस फतेहाबाद क्षेत्र में एक पुलिया से टकरा गई गई। हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 18 लोग घायल हो गए। इसमें आठ को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामूली रूप से घायल 10 यात्रियों को पुलिस ने प्राथमिक उपचार के बाद गंतव्य को भेज दिया। घायलों में जयपुर और कुछ नेपाल के लोग शामिल हैं।

हादसा आज करीब साढ़े तीन बजे तड़के लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हुआ। 35 सीटर मिनी बस नेपाल से जयपुर जा रही थी। अचानक बस एक्सप्रेस वे किनारे बनी पुलिया से टकरा गई। इसके बाद बस में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर इंस्पेक्टर फतेहाबाद पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। घायलों को बस से बाहर निकालकर एंबुलेंस से हास्पिटल पहुंचाया गया। इनमें से एक की मौत हो गई जबकि आठ घायलों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर फतेहाबाद आलोक कुमार सिंह का कहना है कि एक्सप्रेस वे पर चालक को नींद आने के कारण हादसा हुआ था। इसमें नेपाल निवासी सूरज पुत्र तिलक बहादुर की मौत हो गई। नेपाल निवासी मामूली रूप से घायल हुए कुछ यात्रियों को गंतव्य को भेज दिया है। इनके स्वजन के बारे में जानकारी की जा रही है। केशव पांडेय, शिव स्वाली, संजय, रुचिता, रवि, पवित्रा, प्रमिला, सानिया को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी का इलाज चल रहा है।

जौनपुर में स्कूल वैन पलटी, पांच बच्चे जख्मी

जौनपुर। आज सुबह बच्चों से भरी एक स्कूल वैन के पलट जाने से पांच बच्चे घायल हो गए। हादसे की जानकारी होने पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची और हादसे की जानकारी ली और बच्चों को अस्पताल में भर्ती भी कराया। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर स्थित टीडीएमसी पब्लिक स्कूल की एक वैन आज सुबह साढ़े सात बजे धर्मापुर क्षेत्र में अनियंत्रित होने के बाद सड़क के किनारे पलट गई। इस हादसे के दौरान स्कूल वैन में सवार 15 बच्चों में से पांच छात्र बुरी तरह से घायल हो गए। एंबुलेंस से घायल बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां बच्चों का इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूल वैन में दो शिक्षिकाएं भी बैठी थीं। चालक वाहन चलाते समय मोबाइल पर लगातार बात कर रहा था और वैन की गति भी सामान्य से काफी तेज थी। वैन पलटने की इस घटना में अभिनव, शिवांगी, प्रांजल, अंश और रियल को चोट आई है। हादसे में लापरवाही की जानकारी होने के बाद अभिभावकों में रोष व्याप्त है।

जनेश्वर मिश्र पार्क की झील में उतराता मिला युवती का शव, सनसनी

» अभी तक नहीं हो सकी शिनाख्त

» जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क की झील में आज एक युवती का शव उतराता मिला। शव मिलने की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

जानकारी के मुताबिक शव पार्क के अंदर झील में उतराता मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को झील के बाहर निकलवाया। जनेश्वर मिश्र चौकी इंचार्ज प्रशांत मिश्रा ने मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद शव को शेष कार्रवाई के लिए लोहिया अस्पताल भेज दिया गया है। जिस महिला का शव मिला है उसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। युवती की उम्र करीब 35 वर्ष बतायी जा रही है। हालांकि, पुलिस अज्ञात युवती के बारे में खोजबीन कर रही है। जिससे इसका पता लगाया जा सके कि वह कहां की रहने वाली है। उसका घर-परिवार कहां है और वह यहां कैसे पहुंची?

प्रदेश में बिना मान्यता चल रहे प्राथमिक विद्यालयों पर शिकंजा, लगेगा जुर्माना

» बेसिक शिक्षा निदेशक ने जारी किए निर्देश, मांगी सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बिना मान्यता चल रहे प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। शिक्षा निदेशक बेसिक ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक व बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मंडल व जिलों में बिना मान्यता संचालित विद्यालयों पर कार्रवाई करें। साथ ही कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है।

प्रदेश में छह से 14 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा के लिए परिषदीय व मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूल संचालित हैं। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने के बाद से बिना मान्यता प्राप्त कोई भी विद्यालय संचालित नहीं हो सकता। इस अधिनियम के तहत स्कूलों को मान्यता देने

के भी प्रविधान किए गए हैं, इसमें शर्तों के उल्लंघन पर मान्यता वापस लेने का निर्देश है। शिक्षा निदेशक बेसिक डा. सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह ने जिलों को जारी निर्देश में कहा है कि यदि कोई व्यक्ति बिना मान्यता लिए या मान्यता वापस होने के बाद भी स्कूल चलाता है तो उस पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। साथ ही उल्लंघन जारी रहने पर हर दिन दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही विभाग में स्कूल चलो अभियान पर विशेष जोर है। विभाग का मानना है कि छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत नामांकन तभी होगा जब फर्जी विद्यालय बंद हों।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। लालगंज में देवगांव कोतवाली पुलिस ने आज सुबह करिया गोपालपुर मार्ग पर वन विभाग के जंगल के पास मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर व 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक शशिमौलि पांडेय गश्त पर थे। इसी बीच सूचना मिली कि बदमाश किसी घटना को अंजाम देने के लिए बुढ़ऊ बाबा मन्दिर के पास खड़ा है। इस पर पुलिस टीम तत्काल मंदिर के पास पहुंच गई। पुलिस को देख बदमाश महेंद्र बनवासी पुत्र नखड़ू निवासी सिकरौरा, थाना देवगांव भागने लगा। पुलिस के पीछा करने पर बदमाश ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में एक गोली उसके दाहिने पैर में लगी। घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ।

घर पहुंचा बुलडोजर तो गैंगरेप के आरोपियों ने किया सरेंडर

» अंबेडकरनगर: छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले पर पुलिस ने की कार्रवाई भेजे गए जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। बुलडोजर का खौफ अपराधियों के मन में गहरे तक बैठ गया है। सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों के हाथ नहीं आने पर पुलिस गुरुवार को उनके घर बुलडोजर लेकर पहुंच गई। इसके बाद फरार पांच आरोपी भागते हुए थाने पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

जैतपुर थाने के एक गांव में बीते 29 मार्च की रात इंटर की छात्रा पढ़ाई कर रही थी। रात 11 बजे वह घर से नित्यक्रिया के लिए निकली तो बाहर घात लगाए बैठे दो युवक उसे पकड़ कर बाग में उठा ले गए। यहां अन्य युवकों ने मिलकर सामूहिक

दुष्कर्म करने के बाद इसका वीडियो भी बना लिया। आरोपियों ने दुष्कर्म का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। पीड़ित छात्रा ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी जयहिंद यादव, रविप्रकाश यादव, कमलेश यादव, रमेश यादव, शुभम, विजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी रविप्रकाश यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था जबकि अन्य फरार थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस आरोपियों के घर बुलडोजर लेकर पहुंच गई। इस पर आरोपी कमलेश, शुभम, रमेश, विजय कुमार और जयहिंद ने थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया।

गश्त से लौट रहे सिपाही की रायफल लूटी, बाइक भी छीन ले गए बदमाश

» एसएसपी सहित कई थानों की पुलिस कर रही काम्बिंग, जंगल से मिली रायफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आज सुबह तीन बदमाशों ने गश्त के बाद घर लौट रहे सिपाही भास्कर से राइफल लूट कर फरार हो गए हैं। घटना के बाद एसएसपी शैलेश पांडेय के नेतृत्व में कई थानों की फोर्स बदमाशों की खोज में कांबिंग कर रही हैं। बदमाश सिपाही की मोटर साइकिल भी छीन ले गए हैं। रायफल जंगल से बरामद की गयी है।

जानकारी के मुताबिक हैदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गश्त पर निकले सिपाही के साथ अज्ञात तीन बदमाशों ने राइफल लूट ली। लुटेरे राइफल को बिशुन बाबा जंगल में छोड़ कर रफूचक्कर हो गए। सिपाही की सूचना पर हैदर गंज थाना पुलिस समेत अन्य थानों की पुलिस कांबिंग में जुटी गयी। काफी देर के बाद राइफल को जंगल से बरामद कर लिया गया है। हालांकि बदमाशों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। बताया जा रहा है कि बदमाश जाना बाजार की ओर भागे हैं। थानाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र के अनुसार पुलिस जांच में जुटी हुई है। भागे बदमाशों के बारे में बताया जा रहा है कि एक युवक काले रंग की शर्ट व काले रंग की लोअर पहना हुआ है तथा उसके दो अन्य साथी पैंट-शर्ट पहने हुए हैं।

महंगाई ने लोगों का जीना किया मुहाल

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। खाद्य सामग्री महंगी होने से रसोई का बजट बिगड़ गया है। सवाल यह है कि सरकार क्यों नहीं सोच रही है कि पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम आम आदमी की जिंदगी को तबाह कर रहे हैं। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उत्कर्ष सिन्हा, अशोक वानखेड़े, सतीश के सिंह, उमाशंकर दुबे, एनके सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

उत्कर्ष सिन्हा ने कहा सरकारें आती-जाती रहती हैं मगर बीते सात-आठ सालों से फर्क पड़ा है। महंगाई

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लिमिट से आगे निकल गई है जबकि चुनी हुई सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी होती है कि आम नागरिकों पर बोझ न पड़े। उमाशंकर दुबे ने कहा, जब तक फ्री की सेवा बंद नहीं होगी तब तक महंगाई नहीं रूकेगी। महंगाई का एक अर्थशास्त्र है कि गड्ढा खोदो और पाटो। फ्री में बांटने के बजाय रोजगार दीजिए। सतीश के सिंह ने कहा, महंगाई तो है। फिलहाल जब तक हिंदुत्व का डबल डोज का असर रहेगा, बूस्टर डोज का भी, तब तक भाजपा को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं। झोलीभर के वोट आ रहे, झोलीभर के सरकारें आ रही तो क्यूं चिंता करेगी सरकार। अशोक वानखेड़े ने कहा, महंगाई का असर सरकार पर पड़ता। हिमाचल में हार के बाद तेल कीमतों में पांच रुपए की कमी की गयी थी लेकिन जब सरकारें चुनाव जीतकर आती है तो समस्या निल हो जाती है। एनके सिंह ने कहा कि पांच महीने से महंगाई बढ़ रही है। मार्च का फीगर 6.3 है। जबकि आरबीआई ने कहा कि किसी भी कीमत पर यह 4.9 से ऊपर जाएगी नहीं। यह कहकर उसने दर को नहीं बढ़ाया। दरअसल, ये सरकार व्यापारियों की सरकार है।

सीएमएस स्कूल के नकारापन के कारण नन्ही बच्ची हो गयी गंभीर घायल

» सरकार को जेब में रखने का दावा करता है स्कूल प्रबंधन

» लखनऊ की दर्जनों सरकारी जमीनों पर कर रखा कब्जा

» जिसकी सरकार होती है उसके मंत्रियों और मुख्यमंत्री को बुलाकर लूट करता है सीएमएस

» आयकर की करोड़ों की चोरी का भी आरोप है सीएमएस पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सियासी रसूख और अफसरों से साठगांठ से राजधानी का सीएमएस स्कूल प्रबंधन अपनी कारगुजारियों से हमेशा सुर्खियों में रहता है। अभिभावकों के प्रति प्रबंधन की तानाशाही का आलम यह है कि उनकी जायज शिकायतों पर भी कार्रवाई करना तो दूर उल्टे धमकी देता है। ऐसा ही एक मामला संज्ञान में आया है, जिसमें स्कूल में हो रहे बिल्डिंग निर्माण के दौरान हादसे का शिकार हुई एक बच्ची के घायल होने पर उसके अभिभावक व उसके समर्थन में गए लोगों की शिकायत को स्कूल प्रबंधन ने फर्जी करार दिया। हालांकि दबाव के बाद लखनऊ जनकल्याण महासमिति की शिकायत पर जांच का आश्वासन दिया है।

ताजा मामला लखनऊ के गोमतीनगर स्थित विशाल खंड सीएमएस स्कूल का है। जहां पांचवीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा आराध्या शुक्ला पुत्री ज्ञानेंद्र शुक्ला स्कूल में हो रहे निर्माण कार्य के दौरान मलबा गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर में चोट आई हैं। मौके पर मौजूद समाजसेवी उमाशंकर दुबे ने घायल बच्ची को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और इलाज कराया। इसके बाद उन्होंने स्कूल प्रबंधन से मामले की शिकायत की। वहां मौजूद प्रिंसिपल ने पहले मिलने से मना कर दिया, बाद में मामला बढ़ता देख अपना पल्ला झाड़ा। लापरवाही का आलम यह है कि इतने बड़े हादसे के बाद भी प्रबंधन तंत्र की नींद नहीं टूटी और आज फिर निर्माण कार्य के दौरान एक छात्रा के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। इस मामले में स्कूल प्रबंधन और प्रशासन चुप्पी साधे हुए हैं।

अफसरों और जजों के बच्चों की फीस माफ कर करता है अवैध धंधे

स्कूल प्रबंधन अपनाता है ये हथकंडे

स्कूल प्रबंधन पर न केवल आयकर में करोड़ों की हेराफेरी का आरोप है। वहीं प्रबंधन ने राजधानी के दर्जनों स्थानों पर सरकारी जमीनों पर कब्जा भी कर रखा है। हैरानी की बात यह है कि जानकारी के बावजूद संबंधित विभाग के अफसर कोई भी कार्रवाई करने से बच रहे हैं। क्योंकि प्रबंधन बेहद चालाकी से सरकार के मंत्रियों और मुख्यमंत्री को अपने कार्यक्रम में बुलाता है ताकि अफसरों को संदेश चला जाए। यही नहीं अफसरों और जजों को भी मैनेज करने के लिए वह अपने यहां उनके बच्चों को फ्री में पढ़ाता है। इन्हीं हथकंडों के जरिए वह न केवल अभिभावकों को दोनों हाथों से लूटता है, बल्कि उनकी शिकायतों को दरकिनार कर धमकी देने पर भी उतर आता है।

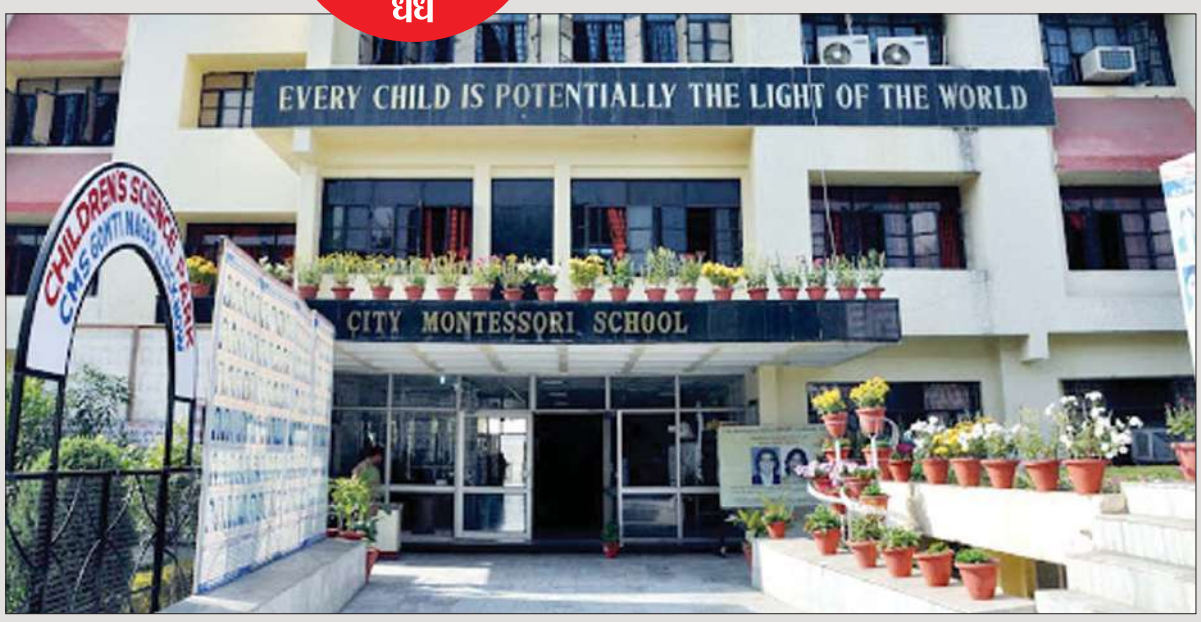

युवा पत्रकार हिमांशु चौहान का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुत ही स्तब्ध करने वाली खबर है। युवा पत्रकार हिमांशु चौहान हम सबके बीच नहीं रहे। लखनऊ के सिविल अस्पताल में उनका आज निधन हो गया। हिमांशु चौहान अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं।

बताया जाता है कि उन्हें लू लग गई थी। यूरिन इंफेक्शन और लूज मोशन भी हो रहा था। फिलहाल पिछले कुछ दिनों से हिमांशु अस्पताल में भर्ती थे, उनका इलाज चल रहा था। बता दें कि इसी साल उनकी दादी और माताजी का भी निधन हो गया था। हिमांशु बहुत ही मिलनसार और सौम्य स्वभाव का था। हिमांशु के निधन पर राजधानी के पत्रकारों ने शोक जताया है। साथ ही उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की बात कही है।

फिर सुर्खियों में आसाराम, गोंडा आश्रम में खड़ी कार में मिला किशोरी का शव

» पांच अप्रैल से लापता थी किशोरी, सेवादार समेत कई लोग हिरासत में

» परिजनों ने सात अप्रैल को दर्ज कराया था केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। गोंडा-बहराइच मार्ग पर विमौर गांव में संत आसाराम बापू आश्रम परिसर में खड़ी कार में एक किशोरी का शव मिलने से सनसनी फैल गयी है। किशोरी बीते पांच अप्रैल की देर शाम घर से लापता थी। इस मामले में स्वजन ने तीन लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा कराया था। आश्रम में खड़ी कार से बदबू आने के बाद चौकीदार ने कार में शव को देखा तो सूचना दी।

एसपी संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि नगर कोतवाली के एक गांव की रहने वाली किशोरी पांच अप्रैल की देर शाम घर से गायब हो गई थी। मामले में उसके घरवालों ने छह अप्रैल को मिश्रौलिया चौकी पर सूचना दी। इसके बाद सात अप्रैल को उसके पिता ने तीन लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। कल देर रात गोंडा-बहराइच मार्ग पर संत आसाराम बापू आश्रम परिसर में खड़ी कार में किशोरी का शव पड़ा होने की जानकारी पुलिस को मिली। एसपी ने बताया कि वह जिलाधिकारी के साथ पहुंचे। किशोरी की पहचान कराई गई। किशोरी उसी गांव की निकली। जो लापता थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा। हर बिंदुओं की जांच चल रही है। आश्रम के सेवादार समेत कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घटना का राजफाश व आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमों को लगाया गया है। डाग स्क्वायड व फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर पड़ताल की। गौरतलब है कि आसाराम बापू को साल 2013 में अपने जोधपुर आश्रम में एक 16 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का दोषी पाया गया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।